

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

श्रस्तारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1

PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

16

1973

1914

मं० 11]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 27, 1973/कार्तिक 5, 1895

No. 11]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 27, 1973 KARTIKA 5, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilationOffice of the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition  
Range, JaipurNOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961  
(43 OF 1961)

Jaipur, the 22nd October 1973

No. J-3/73(8)/30/124.—Whereas, I. V. P. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Plot No. 18-B situated at Jaipur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jaipur on 30-4-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

(1) Shri Purshotam Das, s/o Kishan Chand Ji Agarwal	(Transferor)
(2) Shri Agarwal Textile Industries, Zhotwara through Shri Vinod Kumar.	(Transferee)
* (3) M/s Agarwal Textile Industries	(Person in occupation of the property)
* (4) Shri/Smt/Km. _____	(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

*Explanation.*—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of Bungalow No. 18-B situated at Shiv Marg, Todar Mal Circle, Beni Park, Chowkri Haveli Sahar, Jaipur Area of the sold property:—

Covered area 109.50 yards.

Open area 183 sq. yards.

Total area 292.50 sq. yards.

Date 22nd October 1973.

Seal

V. P. MITTAL,  
Competent Authority,  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Jaipur)

\*Strike off where not applicable.

कारपीलय निरीक्षी सहायक आयकर अधिकार, अर्जन रेज, जयपुर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख (1) के अधीन सूचना  
जयपुर, 22 अक्टूबर, 1973

सं० जे० 3/73(8)/30/124.—यह: मुझे, वी० पी० मित्तल, आयकर अधिनियम, (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है श्री॒ जिसकी सं० प्लाट न० 18 वी॒ है, जो जयपुर मैं स्थित है (श्री॒ इसमै उपावड़ अनुसूचि मैं और पूर्ण रूप से

वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 अप्रैल 30 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कर के इष्टमान प्राप्ति के लिए रजिस्ट्रीकरण विभाग के अनुमार अन्तरित की गई है और भुग्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकरण का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच नव पात्र गया गया है में अन्तरण के लिए प्राप्ति, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

ग्रोर अनः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अनः अनः धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री पुरबोत्तम दास, पुत्र किशन चन्द्र जी अग्रवाल . . . . . (अन्तरक)
- (2) मैसर्स अग्रवाल टैक्सटाइल इन्डस्ट्रीज झोटवाडा द्वारा श्री विनोद कुमार (अन्तरिती)
- \* (3) मैसर्स अग्रवाल इन्डस्ट्रीज (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

- \* (4) श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के प्रबंधित सम्पत्ति के अर्जन के लिए ग्रातद्वारा कार्यदाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

\*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

एद्वारा यह प्रधिसूचित किया जाना है कि इस स्थान पर समन्वय के अंतर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनबाई के, लिए जारी और स्थान नियन किए जाएंगे और उसी सूचना द्वारा ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा समन्वय के अन्तर्जनी को दी जाएगी।

एद्वारा आगे यह प्रधिसूचित किया जाना है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनबाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बंगला नं० 18 बी का भाग जो शिवमार्ग, टोडरमल सर्किल, बनीपाक, चौकड़ी हवाली शहर, जयपुर 1 बेचो हुई सम्पत्ति का क्षेत्रफल 292.50 वर्गमी (क्षेत्रफल 109.50 वर्गमी तथा ओपिन ऐसिया 183 वर्गमी)।

तारीख : 22-10-73

बी० पी० मित्तल,

सक्षम प्रधिकारी

मोहर :

[सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अंजन रेज, जयपुर]

**Office of the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range,  
Chandigarh, 156, Sector 9-B**

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961  
(43 OF 1961)

Chandigarh, the 24th October 1973

No. BGR/986/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing,

land situated at Vill. ikri, Teh. Ballabphgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ballabphgarh in April, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

- (1) Shri Tek Chanji S/o Shri Ramji Lal of Village  
Shri, Teh. Ballabgarh (Transferor)

(2) Smt. Lalita Trehan W/o Sh. Surinder Kumar  
Trehan S/o Harbilas, 614-L, Model Town,  
Jullundur. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

*Explanation*—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land situated in Village Skri, Teh. Ballabgarh. [As fully described in the sole deed registered at Serial No. 78 with the Sub-Registrar Ballabgarh].

G. P. SINGH.

### **Competent Authority,**

(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

कायरिलियं सहायक आयुक्त (मिरीभरग) अर्जेन रेजे, चंडीगढ़ 156 सैकटर 9-श्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वि भाग 269 घ (1) के अधीन सुन्ना

चंडीगढ़, २। अक्टूबर, १९७३

सं० बी जो आर/986 / 73-74—यत्, मध्ये जो० पी० सिंह आयकार अधिकारी आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज चंडीगढ़ आयकर अदि नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या भूमि है जो ग्राम मिकरी नह०बलभगढ़ में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय, बल्लगढ़ में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 अप्रैल की पृष्ठोंकृत सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्त के (अन्तर को) जो अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ; —

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की आवत्ता<sup>आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)</sup> के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए दुकर बनाना ;

और यह; आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के आधार 20-क के गत्वों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री टेक चन्द, पुत्र श्री रामजी लाल, ग्राम सिकरी, तहसील बलभगढ़। (अन्तरक)

(2) श्रीमती लाली, तरेहन पत्नी श्री सुरेन्द्र कुमार तरेहन पुत्र श्री हरबंस, 614-एल, माडल टाऊन, जालन्धर शहर। (अन्तरिती)

हो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद् द्वारा कार्यवाहियां शरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति अक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो श्री अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए अक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा अक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद् द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोत्तरी पैरा के अधीन सुनवा दी गई है, अक्षोपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि 40 कानाल 4 मरले जो ग्राम सिकरी तहसील में स्थित है।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

तारीख : 24-10-73

मोहर :

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अण्डीगढ़।

